मुख्य जनसंपर्क अधिकारी का कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया

प्रेस विज्ञप्ति

जामिया मिल्लिया इस्लामिया ने 'नशा मुक्त भारत अभियान' के तहत जागरूकता रैली के रूप में मनाया 'इंटरनेशनल डे अगैस्ट ड्रग एब्यूज'

26 जून 2025, नई दिल्ली

जामिया मिल्लिया इस्लामिया (जेएमआई) ने ड्रग्स के दुरुपयोग और अवैध तस्करी के खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय दिवस को बड़ी उर्जा और नशा मुक्त समाज के उद्देश्य के प्रति प्रतिबद्धता के साथ मनाया। 'नशा मुक्त भारत अभियान' के तहत विश्वविद्यालय ने परिसर के भीतर एक जागरूकता रैली का आयोजन किया।

रैली में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के छात्रों और राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) के कैडेटों की सक्रिय भागीदारी देखी गई, जिन्होंने ड्रग्स के दुष्प्रभावों और एक स्वस्थ, व्यसन मुक्त जीवन जीने के महत्व के बारे में जागरूकता को बढ़ावा देने वाले बैनर और नारे के साथ मार्च किया।

इस कार्यक्रम में वरिष्ठ संकाय सदस्यों और एनसीसी और एनएसएस अधिकारियों ने भाग लिया, जिनमें प्रो. इक्तिदार मोहम्मद खान, समन्वयक एनसीसी; डॉ. विकार हुसैन सिद्दीकी, समन्वयक एनएसएस; डॉ. अनवरा हाशमी, एएनओ (एसडीडब्ल्यू) आर्मी, और प्रो. उशविंदर कौर पोपली, डीन इंटरनेशनल रिलेशंस ने सामूहिक रूप से युवाओं के बीच निरंतर जागरूकता और निवारक शिक्षा की आवश्यकता पर जोर दिया।

रैली ने ड्रग्स के खतरे से निपटने के लिए छात्रों को संवेदनशील बनाने में विश्वविद्यालय की सक्रिय भूमिका पर प्रकाश डाला। इसका उद्देश्य छात्रों को अपने समुदायों में बदलाव के दूत बनने और नशा मुक्त भविष्य बनाने के लिए एक साथ आने के लिए प्रोत्साहित करना था।

यह रैली शिक्षा, जागरूकता और सामुदायिक सहभागिता के माध्यम से युवा सशक्तिकरण और सार्वजनिक स्वास्थ्य के उद्देश्य से राष्ट्रीय अभियानों में सक्रिय रूप से योगदान देने की जामिया मिल्लिया इस्लामिया की प्रतिबद्धता की पुनः पुष्टि के साथ सफलतापूर्वक संपन्न हुई।

रैली के अलावा, रेडियो जामिया 90.4 एफएम ने 'नशा मुक्त भारत अभियान 2025' की पहल के तहत 'भारत को नशा मुक्त कैसे बनाएं' शीर्षक से एक घंटे का विशेष सार्वजनिक सेवा कार्यक्रम प्रसारित किया। कार्यक्रम का उद्देश्य मादक द्रव्यों के सेवन के हानिकारक प्रभावों के बारे में जागरूकता फैलाना और युवाओं और समाज को ड्रग्स और तंबाकू से दूर रहने के लिए प्रोत्साहित करना था। कार्यक्रम में डॉ. एम. शमशाद का साक्षात्कार शामिल था, जिनका साक्षात्कार डॉ. शकील अख्तर ने लिया। नशे के नकारात्मक परिणामों के बारे में 'नशा खोरी के बुरे परिणाम' शीर्षक से एक लघु कथा खंड भी था और 'ड्रग्स और तंबाकू का सेवन न करें' शीर्षक से एक पैनल चर्चा भी थी। रेडियो जामिया की यह पहल नशा मुक्त भारत अभियान के तहत भारत सरकार के सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय के व्यापक उद्देश्यों के साथ जुड़ते हुए नशा मुक्त भारत का समर्थन करने की दिशा में एक कदम है। कार्यक्रम ने श्रोताओं को एक स्वस्थ और व्यसन मुक्त समाज बनाने की दिशा में चिंतन करने, जुड़ने और योगदान देने के लिए आमंत्रित किया।

'नशा मुक्त भारत अभियान' के तत्वावधान में जामिया के विभिन्न विभागों, केंद्रों और कार्यालयों द्वारा इस सप्ताह में व्याख्यान, जागरूकता कार्यशालाओं और विचार-विमर्श सहित कई अन्य गतिविधियाँ आयोजित की गई हैं।

प्रोफ़ेसर साइमा सईद
मुख्य जनसंपर्क अधिकारी
रात खाने